राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–24 | अंक–02 | अगस्त, 2023 | कुल पृष्ठ–28 | मूल्य–₹ 15

दक्षिण कोरिया में 25वीं विश्व जम्बूरी में शिरकत करते हुए प्रदेश के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, श्रीमती संगीता आर्य, स्टेट कमिश्नर श्री महेन्द्र पारख एवं भारत स्काउट व गाइड, नई दिल्ली के अधिकारीगण

25वीं विश्व जम्बूरी, दक्षिण कोरिया में सहभागिता कर लौटे स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, डॉ. संगीता आर्य एवं स्टेट कमिश्नर श्री महेन्द्र पारख का स्वागत व अभिनन्दन करते हुए राज्य के पदाधिकारीगण

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 24 अंक : 02
अगस्त, 2023

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

काना राम, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	विशेष : स्वाधीनता दिवस ध्वजारोहण	5
•	स्काउट आवासीय विद्यालय	5
•	द्वितीय एडवेंचर शिविर	6
•	11वां एडवेंचर शिविर	7
•	राज्य कार्यकारिणी समिति बैठक	8
•	पुलिस महानिदेशक द्वारा पौधारोपण	9
•	कबिंग : पैक का टोटम	10
•	earth tribe	11
•	स्मृति–शेष : स्काउट....सैनिक व सन्त समान	13
•	सेवक के हाथ : पावन–पवित्र	14
•	गतिविधि दर्पण	15
•	कदमताल के यादगार क्षण	20
•	हमारा स्वास्थ्य : अलसी के असरकारी नुस्खे	21
•	हमारे महापुरुष : सुभद्रा कुमारी चौहान	22
•	पर्यटन स्थल : पक्षियों का स्वर्ग है डूंगरपुर	23
•	दक्षता पदक	24
•	पर्यावरण संरक्षण	25
•	गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क :150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

साहचर्य एवं विश्व भ्रातृत्व

समस्त राष्ट्र की मानव जाति को भावनात्मक एकता के सूत्र में पिरोने में स्काउटिंग की अहम् भूमिका है। मानवीय मूल्यों से सीधा सरोकार रखने वाले विश्व स्तरीय स्काउटिंग जैसे विशाल वृक्ष की मजबूत शाखाएं हमारे राष्ट्र में लहलहा रही हैं। स्काउट गाइड आन्दोलन सारे विश्व को एक सूत्र में पिरोते हुए बालक–बालिकाओं को संस्कारित करने व सुनागरिकता की शिक्षा देने में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर रहा है। स्काउटिंग समभाव, साहचर्य एवं सेवा के जीवनोपयोगी आयामों से सुसंस्कारित करने में अग्रणी संगठन है। बालकों को ज्ञान, कौशल व संस्कार प्रदान करने हेतु विश्व व्यापी मंच स्काउटिंग की ही देन है।

स्काउट आन्दोलन का मूल स्वरूप राष्ट्रीय ही नहीं विश्व भ्रातृत्व का है। यही कारण है कि स्काउटिंग समय–समय पर राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय अखण्डता के साथ अनुशासन, भ्रातृत्व व सद्भावना का अलख जगाने एवं चेतना पैदा करने के उद्देश्य से अपनी इकाइयों एवं क्षेत्रीय संगठनों के बैनर तले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करती है। अनेक राष्ट्रीय कार्यक्रमों में हमारी सहभागिता हमारी उपयोगिता को बताती है। यही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व जम्बूरी का आयोजन 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा को साकार करता है।

हाल ही मैं और प्रदेश के कुछ पदाधिकारी व स्काउट/रोवर दक्षिण कोरिया में सम्पन्न हुई 25वीं विश्व जम्बूरी में सहभागिता कर लौटे। वहां की यादें और संस्मरण तो बहुत सारे हैं लेकिन यहां बस इतना ही कहना चाहूंगा कि विश्व जम्बूरी में अन्य सभी राष्ट्राध्वजों के मध्य हमारा तिरंगा शान से लहलहा रहा था, जिसे देख कर तन व मन उल्लास, उमंग व उत्साह से भर जाता था। विश्व जम्बूरी में मुझे अपने प्रदेश के रोहट (पाली) में आयोजित हुई 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं व स्थापित किए गये नवीन आयामों की बहुत याद आई, जिसके लिए प्रदेश के सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।

प्रदेश के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं...

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

गत माह प्रदेश में स्थानीय संघ, जिला व राज्य स्तर पर अनेक शिविरों, गतिविधियों, रैलियों, सभा–संगोष्ठियों का आयोजन हुआ। बालक–बालिकाओं ने अपने शिक्षण के इतर सह–शैक्षिक गतिविधियों में सहभागिता कर अपने सर्वांगिण विकास में स्वयं को योगदान दिया। और इसमें हमारे संगठन से जुड़े स्काउटर गाइडर ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया।

विश्व बंधुत्व की राह पर अग्रसर यह संगठन बालक बालिकाओं में सेवा के मार्ग पर चलने की सोच विकसिक करता है और इस सोच को साकार करने के लिए अवसर प्रदान कर उन्हें सेवा कार्य के लिए अभ्यस्त करता है। वहीं दूसरी ओर स्काउट गाइड में साहस का संचार करने में संगठन की शिक्षा प्रणाली बहुत ही कारगर है। एडवेंचर शिविर, आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण, स्वावलम्बन से जुड़े कार्य, आत्मरक्षा प्रशिक्षण इत्यादि इस संगठन को समयानुकूल साबित करता है।

हाल ही में स्काउट गाइड ने जिला स्तर पर राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविरों में सहभागिता की। हमारे सर्कल ऑर्गेनाइजर्स ने उन विद्यालयों में सम्पर्क अभियान चलाया जहाँ स्काउटिंग गाइडिंग निष्क्रिय हो गई थी। उन्हें फिर से इसके प्रति मोटिवेट कर ग्रुप सक्रिय कराने के सफल प्रयास हुए। प्रदेश के स्काउट, गाइड, रोवर व रेंजर ने राष्ट्रपति अवार्ड जांच शिविर में सहभागिता कर अपने सर्वोच्च प्रमाण–पत्र को उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षा दी....सभी को शुभकामनाएं...

वर्ष के अन्तिम माह में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसके लिए निर्वाचन विभाग अभी से जन–जागृति कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सक्रिय हो गया है। प्रदेश के स्काउट गाइड मतदाता जागरूकता अभियान में अपनी सराहनीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। प्रत्येक जिले में निर्वाचन विभाग के स्वीप कार्यक्रमों की बागडोर स्काउट गाइड ने संभाल रखी है। निश्चित ही हमारा प्रदेश मतदान जागरूकता के मामले में अव्वल रहना चाहिए और मतदाता सूचि में नाम जुड़वाने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों के तहत सभा व संगोष्ठियों का आयोजन भी किया जा रहा है।

प्रदेश संगठन की ओर से सभी स्काउट गाइड रोवर रेंजर के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं...

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

स्वाधीनता दिवस ध्वजारोहण

स्काउट मुख्यालय, जयपुर

स्काउट गाइड मुख्यालय में झंडारोहण....लहराया तिरंगा

भारत की आजादी की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर मोड स्थित राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के राज्य मुख्यालय प्रांगण में स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य द्वारा प्रातः 8:30 बजे झंडारोहण किया गया है। इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सं.राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ एवं मुख्यालय के सभी अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री आर्य ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव रखते हुए इसके विकास में सदैव अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया तथा देश की आजादी में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर बलिदानी क्रान्तिकारियों व जननायकों को याद किया।

स्काउट आवासीय विद्यालय

राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय, जगतपुरा जयपुर में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को देश-प्रेम की भावना रखते हुए देश के विकास में सहायक बनने हेतु प्रेरणास्प्रद उद्बोधन दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने परेड निकाल कर सलामी दी तथा पिरामिड बनाकर अपने शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, सं.राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अन्य पदाधिकारी व स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

द्वितीय एडवेंचर शिविर

प्रशिक्षण केन्द्र, चौपासनी–जोधपुर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जोधपुर के तत्वावधान में जोधपुर मण्डल का राज्य स्तरीय द्वितीय एडवेंचर शिविर प्रशिक्षण केन्द्र, चौपासनी में दिनांक 07 से 11 अगस्त 2023 तक सहा.राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री बाबूसिंह राजपुरोहित के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

इस शिविर में राजस्थान प्रदेश से जोधपुर मण्डल के अलावा जयपुर, अजमेर, दौसा एवं अलवर जिला के 54 संभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण अवधि में वृक्षारोपण एवं जन चेतना रैली का आयोजन भी किया गया। माउण्ट आबू एवं नागौर के दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा एडवेंचर गतिविधियां आयोजित करवायी गई।

दक्ष प्रशिक्षक देवाराम, मदनसिंह एवं उनकी टीम द्वारा एडवेंचर बेस का निर्माण किया गया एवं सभी संभागियों को व्यक्तिगत एडवेंचर बेस करवाये तथा सफल संभागियों को राज्य स्तरीय प्रमाण पत्र दिये गये।

इससे पूर्व प्रथम एडवेंचर शिविर प्रायोगिक तौर पर 2022 में आयोजित हुआ। द्वितीय एडवेंचर शिविर में रॉक क्लाइंबिंग, रेपलिंग, टचिंग पॉइंट, मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज, मंकी क्रॉलिंग, गन शूटिंग, तीरंदाजी, हॉरिजेंटल बार, रस्सी के सहारे पेड़ पर चढ़ना व उतरना, लैडर क्रॉसिंग, टायर वाल, टायर चिमनी, बैलेंसिंग बार, पहाड़ी क्षेत्रों में ट्रैकिंग, टायर टनल आदि एडवेंचर गतिविधियों में सभी संभागियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर का संचालन सी.ओ.स्काउट मा. आबू जितेन्द्र भाटी एवं सी.ओ.गाइड जालोर श्रीमती मधु कुमारी द्वारा किया गया।

हार्दिक बधाई

हर्ष का विषय है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन को राज्य सरकार के कृषि (ग्रुप-3) विभाग द्वारा आदेश जारी कर श्री करण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में टीचर्स व आफिसर्स की चयन समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। साथ ही शिक्षाविद् व साइंटिस्ट डॉ. जैन को श्री करण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के बोर्ड ऑफ मेनेजमेंट में आगामी 2 वर्ष के लिए सदस्य मनोनीत किया गया है।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड प्रदेश संगठन की ओर से हार्दिक बधाई व मंगल कामनाएं....

11वां एडवेंचर शिविर

पुष्कर घाटी, अजमेर

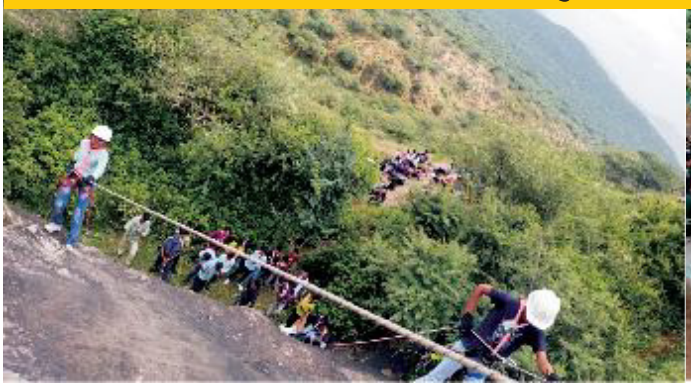

महाराष्ट्र के दल ने पुष्कर घाटी स्थित नाग पहाड़ी की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, अजमेर के तत्वावधान में 11वां एडवेन्चर शिविर दिनांक 07 से 11 अगस्त 2023 तक स्काउट गाइड एडवेन्चर प्रशिक्षण केन्द्र पुष्करघाटी अजमेर पर सम्पन्न हुआ।

शिविर में महाराष्ट्र, दिल्ली राज्य के अतिरिक्त राजस्थान के भीलवाड़ा, नागौर, टोंक, चूरू, श्रीगंगानगर, अलवर, जोधपुर, जयपुर एवं सीकर जिले से कुल 167 संभागियों ने भाग लिया।

प्रथम दिवस गतिविधियां– शिविर के प्रथम दिवस शिविरार्थियों ने 56 बीघा मे फैले हुए केम्प साइड के जंगल का अवलोकन कर केम्प साईड की विजिट की। तत्पश्चात पुष्करघाटी पहाड़ी पर स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर पहुँच कर रात्रि में अजमेर व आनासागर झील के शानदार दृश्यों की फोटोग्राफी की।

द्वितीय दिवस – शिविर के द्वितीय दिवस माउन्ट आबू से प्रशिक्षित एडवेन्चर के ट्रेनर श्री सुनिल कुमार के निर्देशन में नाग पहाड़ियों पर संभागियों ने रॉक क्लाम्बिंग करते हुए अपने उत्साह का प्रदर्शन किया। रॉक क्लाम्बिंग के साथ ही संभागियों ने विश्व विख्यात ब्रह्मा मन्दिर पंहुच कर ब्रह्माजी के दर्शन किये। पुष्कर सरोवर से प्रस्थान कर सीधे ब्रह्मा मन्दिर के पीछे स्थित रॉप वे पर पहुँच कर सैकड़ों फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित सावित्री माता के मन्दिर पर पहुंच कर माता के दर्शन किये। रॉप वे पर लगी ट्रोलियों में बैठ कर संभागियों ने सेकड़ो फीट ऊंचाई से पुष्कर स्थित पहाड़ियों व जंगल के विंहगम दृश्य को अपने अपने केमरों मे कैद किया।

तीसरे दिवस गतिविधियां– शिविर के तीसरे दिवस एडवेन्चर सेन्टर पुष्करघाटी में तैयार किये गये लगभग 26 प्रकार की विभिन्न एडवेन्चर एवं फन गतिविधियों को पूरा करते हुए शिविरार्थि खुशी से झुम उठे। विशेष रूप से केमल राइडिंग, होर्स राइडिंग, जिप लाईन, गन शूटिंग, तीरंदाजी, मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज, टायर टनल, टायर वॉल, टचिंग पोईन्ट, शेर के मुँह में गेन्द डालना आदि कई एडवेन्चर बैस को पूरा कर रोमांचित हो गये। ललित गोयल (I.A.S) मुख्य कार्यकरी अधिकारी, जिला परिषद, अजमेर ने भी एडवेन्चर बेस का अवलोकन कर प्रसन्नता व्यक्त की।

चतुर्थ दिवस गतिविधियां– शिविर के चतुर्थ दिवस पर संभागी पुष्करघाटी स्थित नाग पहाड़ियों की सबसे ऊंची चोटी पर ट्रेकिंग करते हुए पहुंचे। सबसे पहले महाराष्ट्र के दल के 25 संभागी ऊंची चोटी पर पहुंच कर तिरंगा ध्वज फहरा कर खुशी से झूम उठे। रात्रि में शिविर केन्द्र पर पहुंच कर विशाल केम्प फायर में सभी संभागियों ने भाग लेकर अपनी–अपनी संस्कृति का प्रदर्शन करते शानदार नृत्य प्रस्तुत किये। महाराष्ट्र दल के संभगियों ने भी प्रसिद लावणी नृत्य प्रस्तुत कर सभी को आनन्दित किया।

पंचम दिवस गतिविधियां– शिविर के अन्तिम दिवस में प्रातः शिविर केन्द्र से विश्व विख्यात बूढ़ा पुष्कर मन्दिर के दर्शन हेतु पैदल हाईक की। सभी संभागियों ने बूढ़ा पुष्कर से पुनः शिविर केन्द्र पहुंच कर शिविर के समापन समारोह में भाग लिया। सभी संभागियों को हंसराज रेगर (सी.आई.) केन्द्रिय रिजर्व पुलिस फोर्स एवं विनोद दत्त जोशी सहायक राज्य संगठन आयुक्त ने राज्य स्तरीय एडवेन्चर के प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी के निर्देशन में शिविर का संचालन लीडर ट्रेनर शैलेष पलोड ने किया। शिविर में जिला संगठन आयुक्त स्काउट भीलवाड़ा विनोद कुमार घारू एवं जिला संगठन आयुक्त गाइड टोंक आंचु मीणा, भंवर लाल हर्षवाल, रामदेव पारीक, बाबूद्दीन काठात, दामोदर प्रसाद, रामकुमार स्वामी, भगवान सिंह, कुमकुम जैन, मून्शी खान, शिवचरण सिंह, ट्रेनर महेन्द्र वागड़ी, गोविन्द प्रजापत, सर्विस रोवर माणक, अरमान एवं राहुल वैष्णव ने सहयोग प्रदान किया।

राज्य कार्यकारिणी समिति बैठक

14 अगस्त, 2023

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य संगठन की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक 14 अगस्त, 2023 को सांयः 3:00 बजे स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर पर स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र पारख, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, संयुक्त राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड़, सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री सत्तार मोहम्मद बागडी सहित 16 सदस्य उपस्थित हुए।

समिति में उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि संगठन के सभी सदस्यों द्वारा वृहद स्तर पर प्रशंसनीय कार्य किया गया, जिसका परिणाम उपलब्धियों में झलकता है। राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान अपना वर्चस्व कायम रखे हुए है, जो प्रसन्नता का विषय है। श्री आर्य ने विश्वास जताया कि सभी के प्रयासों से राजस्थान प्रदेश स्काउट गाइड संगठन उत्तरोत्तर प्रगति करता रहेगा।

बैठक की कार्यवाही स्काउट प्रार्थना से प्रारम्भ हुई, जिसके उपरान्त राज्य सचिव डॉ. पी.सी.जैन द्वारा सभी सदस्यों का शाब्दिक स्वागत किया गया तथा स्वागत की कड़ी में ही विश्व जम्बूरी कोरिया में प्रदेश संगठन से सम्मिलित हुए पदाधिकारियों व संभागियों का अभिनन्दन भी किया गया।

विश्व जम्बूरी में सहभागिता कर लौटे स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, डॉ. संगीता आर्य तथा स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र पारख का पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन की श्रृंखला में श्रीमती संगीता आर्य ने विश्व जम्बूरी संभागित्व के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किए तथा संगठन का आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात् मीटिंग की कार्यवाही प्रारम्भ हुई।

गत कार्यकारिणी समिति की मीटिंग का कार्यवृत पुष्टि हेतु राज्य सचिव द्वारा सभा में प्रस्तुत किया गया, जिसकी पुष्टि की गई।

गत मीटिंग के कार्यवृत की अनुपालना रिपोर्ट बिन्दुवार राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरणसिंह शेखावत द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसका अनुमोदन किया गया।

संगठन का सत्र 2022–23 का संक्षिप्त वार्षिक प्रतिवेदन सुश्री सुयश लोढा, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्राप्त उपलब्धियों की प्रशंसा के साथ इसे स्वीकृति प्रदान की गई।

वित्त समिति की बैठक की अनुशंसाओं को राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा प्रस्तुत किया। सत्र 2022–23 के ऑडिटेड अकाउण्ट्स की पुष्टि की गई तथा 2023–24 के आय–व्यय का स्वीकृत बजट रू. 1669.81 लाख राज्य निधि मद का अनुमोदन सदन द्वारा किया गया।

सत्र 2024–25 के अनुमानित बजट रू. 2132.68 लाख राज्य निधि मद की अनुशंसा की गई तथा यह भी निर्णय लिया गया

विश्व जम्बूरी के संस्मरण साझा करते हुए डॉ. संगीता आर्य, सदस्या-राजस्थान लोक सेवा आयोग

कि कोटामनी की राशि राज्य सरकार से प्राप्त करने के लिए बी. एफ.सी. में प्रस्ताव भिजवाया जावे।

अलंकार–पुरस्कार समिति के द्वारा चयनित अलंकार पुरस्कारों की सूची श्री बन्नालाल, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसे स्वीकृति प्रदान करते हुए 2 को धन्यवाद बैज, 4 को बार टू मेडल ऑफ मेरिट, 9 को मेडल ऑफ मेरिट, 4 को 20 वर्षीय अलंकार, 4 को 15 वर्षीय अलंकार, 54 को 10 वर्षीय अलंकार तथा 3 को स्थानीय संघ सम्मान पत्र से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया।

उक्त के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर के सिल्वर एलीफेन्ट अवार्ड हेतु 5 पदाधिकारियों तथा सिल्वर स्टार अवार्ड हेतु 5 अधिकारियों/कार्यकर्त्ताओं के नाम राष्ट्रीय मुख्यालय भिजवाने हेतु अनुशंषा की गई, साथ ही अलंकार पुरस्कार समिति की मीटिंग के पश्चात् प्राप्त आवेदन पत्रों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य परिषद का वार्षिक अधिवेशन दिनांक 30.9.2023 को कोटा में आयोजित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से 2 प्रस्ताव अनुमोदन हेतु सदन के समक्ष प्रस्तुत किए गए जिसका सदन द्वारा अनुमोदन किया गया।

उक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से सदस्यों द्वारा प्राप्त सुझाव जैसे संगठन के कार्मिकों को OPS की प्रक्रियाधीन कार्यवाही का प्रत्युत्तर शीघ्र भेजा जावे, संगठन को पश्चिम क्षेत्र में लिए जाने हेतु राष्ट्रीय मुख्यालय को पत्र भेजा जावे, निष्क्रिय ग्रुपों/स्थानीय संघों को सक्रिय किए जाने हेतु ग्रुपों एवं स्थानीय संघों की विजिट की जावे, हिमालय वुडबैज योग्यताधारी को स्कार्फ राज्य मुख्यालय स्काउट शॉप से क्रय कर पार्चमेंट के साथ भिजवाया जावे आदि को स्वीकृति प्रदान की गई।

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वाटर) डॉ. अखिल शुक्ला ने सुझाव दिया कि जम्बूरी की डॉक्युमेन्ट्री समय–समय पर दिखाई जावे तथा प्रचार–प्रसार पर विशेष ध्यान दिया जावे तथा विद्यालय/महाविद्यालयों की विजिट प्रभावी की जावे।

स्टेट कमिश्नर (वयस्क संसाधन) श्री महेन्द्र पारख ने सदस्यों के मध्य 25वीं विश्व जम्बूरी के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राजस्थान में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी दक्षिण कोरिया में आयोजित हुई विश्व जम्बूरी से श्रेष्ठ थी।

अन्त में संयुक्त राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड द्वारा आभार प्रकट किया गया एवं राष्ट्रगान के साथ मीटिंग की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

पुलिस महानिदेशक द्वारा पौधारोपण

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ मालवीय नगर, जयपुर की ओर से 'एक पौधा पर्यावरण के नाम' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम संयोजक एवं सचिव के.के. शर्मा ने बताया कि आयोजन के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक राजस्थान श्री उमेश मिश्र ने स्वयं पौधारोपण कर पर्यावरण संतुलन के लिए आमजन को आह्वान किया। निःस्वार्थ सेवा भाव के लिए अपने संदेश में स्काउट गाइड की कर्तव्यनिष्ठता, समर्पण तथा अनुशासन की प्रशंसा करते हुए समाज में इनके योगदान को अद्वितीय बताया।

इस मौके पर स्थानीय संघ की पूर्व सहायक जिला कमिश्नर गाइड श्रीमती दर्शन नारंग की स्मृति में स्काउट गाइड द्वारा सेक्टर 10 मुख्य मार्ग पर आमजन के लिए नगर निगम ग्रेटर जयपुर तथा एम.एन. मॉडर्न पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के सहयोग से 'दर्शन नारंग ग्रीन बेल्ट' में श्रृंखलाबद्ध रूप में पौधारोपण कर एवं उनमें ट्री गार्ड लगाकर उनके रखरखाव का भी संकल्प लिया।

आयोजन में वार्ड पार्षद श्रीमती राजुला सिंह, श्री के.एल. नारंग, डॉ प्रियंका शर्मा, कृष्ण मोहन शर्मा, मनमोहन मिश्रा, मंजू शर्मा, बी.एल. चतुर्वेदी, रामनाथ उदैनिया, यशवंत सिंह, स्काउट तथा गाइड सहित पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

कबिंग

पैक का टोटम

प्रस्तोता–रणजीत सिंह शेखावत

अतीत में हमारे पूर्वज अपनी जाति और कुटुम्ब तक के प्रतीक रखते थे। इनको देखकर आने वाली पीढ़ी प्रेरणा लेती थी। प्रत्येक चिन्ह का कोई न कोई अर्थ अवश्य होता था और इससे इनके कुटुम्ब, जाति या राज्य की परम्पराओं का बोध आसानी से हो जाता था। जुलूस आदि में इसे बड़े सम्मान व आदर के साथ आज भी ले जाया जाता है। आज भी हमारे देश में किसी धार्मिक जुलूस आदि में इस प्रकार के प्रतीक को आगे रखा जाता है। इसे एक डण्डे के ऊपर लगाकर ले जाया जाता है। उदहरण के तौर पर जब ''गणगौर माता'' की शोभा यात्रा निकलती है तो इस प्रकार के चिन्ह को सब से आगे लेकर चलते हैं। जितने भी शंकराचार्य हैं, महामण्डलेश्वर हैं या अन्य धर्मों के जुलूस निकलते हैं तो सब से आगे उनका प्रतीक चिन्ह निश्चित रूप से होता है। यह उनकी पहचान है।

स्काउटिंग एक विश्व व्यापी आन्दोलन है, जिसमें उम्र के अनुसार बालकों को स्काउटिंग ज्ञान प्रदान किया जाता है। उनमें से कबिंग भी एक शाखा है। प्रत्येक कब–पैक अपने लिए एक निश्चित चिन्ह तय कर लेता है और उसको एक सुन्दर से डण्डे पर लगा लेता है। पूर्व में कब्स टोटम के रूप में भेड़िये के सिर का चित्र डण्डे पर लगा कर उसे अपने टोटम के रूप में स्वीकार करते थे। इसका कारण था कि ''अकेला'' पैक का नेतृत्व करता था और कबिंग ''मोगली'' की कहानी पर आधारित है। इस कहानी में भेड़िया परिवार की अहम भूमिका निभाता है। लेकिन वर्तमान में इस प्रकार का कोई नियम नहीं है। लेकिन इसके बावजूद भी प्रत्येक कब पैक को एक चिन्ह अवश्य स्वीकार करना चाहिये। इस पर अपने पैक की प्रथाओं को अंकित करना चाहिये। वर्तमान में बहुत से कब पैक मुस्कुराते हुये कब के धड़ तक का सैल्यूट करते हुए चित्र एक डण्डे पर लगाते हैं। इससे पैक का विश्वव्यापी रूप प्रकट होता है। इसके डण्डे को विभिन्न प्रकार से सजाते हैं। इसके ऊपर पैक के चारों 'षष्टों' के रंगों के रिबन जितनी शेर बच्चों की संख्या होती है लगा लेते हैं। इससे पैक के षष्ठों और कब्स का बोध टोटम को देखते ही हो जाता है। प्रत्येक कब के लिए पीतल की एक–एक कील लगा दी जाती है। लम्बे अन्तराल के बाद भी अगर हम कब्स की पूरी जानकारी चाहते हैं तो तत्काल इसे देखने से ही मिल जाती है। इसके साथ–साथ कब्स के स्तर के लिए भी स्तरानुसार विभिन्न रंगों की कील लगा देते हैं। टोटम में कब पैक का पूरा ब्यौरा होता है।

पैक के विशेष कार्यक्रमों में इसे प्रदर्शित करते हैं। अगर कब पैक को छोड़कर जाता है तो उसके नाम का रिबन भी उसमें लगा दिया जाता है। इस रिबन की पहचान भी अलग से हो जानी चाहिए। पैक मीटिंग, दीक्षा या चरणीय संस्कार के समय इसे घेरे के बीच में लगाते हैं। इससे कबों को प्रेरणा मिलती है क्योंकि इस पर उनकी प्रगति अंकित होती है। नये कबों के लिये यह प्रेरणा प्रदान करता है।

वर्तमान समय में कब यूनिट लीडर का ध्यान इस ओर से हटता जा रहा है। प्रत्येक यूनिट लीडर से अनुरोध है कि इस परम्परा को जिन्दा रखने की आवश्यकता है। क्योंकि टोटम कबिंग की रीढ़ के रूप में माना जाता है, यह अपने आपमें उस पैक का पूरा इतिहास है, पैक–डैन की शोभा है, पैक की परम्पराओं का प्रतीक है। इसे अपने पैक डैन में सदा सम्भाल कर रखा जाना चाहिए।

CELEBRATIONS DAYS : SEPTEMBER - OCTOBER 2023

05 September	:	Teacher's Day
08 September	:	International Literacy Day
14 September	:	Hindi Day
16 September	:	World Ozone Day
21September	:	World Peace Day
27 September	:	World Tourims Day
02 October	:	Gandhi & Shashtri Jayanti
05 October	:	International Teachers Day
08 October	:	Air Force Day
24 October	:	World Polio Day
31 October	:	National Unity Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

earthtribe

a global community of young people working to preserve and protect our planet

WOSM- FLAGSHIP INITIATIVE PROJECT

Scouting provides young people with opportunities to participate in programmes, events, activities and projects that contribute to their growth as active citizens. Through these initiatives, young people become agents of positive change who inspire others to take action.

The Earth Tribe Initiative and its Challenges specifically seeks to address environmental and sustainability issues such as climate change, promoting the development of sustainable habits towards an eco-friendly and healthy lifestyle, and connecting with nature to protect it sustainably.

The Earth Tribe supports the development of competencies in young people as they strive in achieving their full physical, intellectual, emotional, social, and spiritual potential as individuals, as responsible citizens, and as members of their local, national, and international communities. The Earth Tribe is an initiative for individual and community development centred around the educational area of environment and sustainability.

What is the Earth Tribe?

The Earth Tribe is a global community of young people who are passionate about the environment and actively engaged as global citizens to preserve and protect our planet.

The Earth Tribe guides young people on an educational journey to develop the awareness, competencies and leadership skills necessary to create environmental change in their communities.

Through a series of exciting Earth Tribe Challenges, young people learn how to connect with nature, become champions for sustainability, and engage in taking action for the environment. To be a member of the Earth Tribe is a personal commitment to improve the health of the planet and make the world a better place.

Who is the Earth Tribe for?

The Earth Tribe is a global community of young people and adults (ages seven and above) who are willing to commit to be part of a global movement to preserve and protect our planet. The Earth Tribe is open to young people and adults.

A personal journey within the Earth Tribe

The Earth Tribe contributes to the development of young people with a focus on competencies for sustainable development in the area of environmental education. Young people and adults are invited to become members of the Earth Tribe by exploring several key learning paths. The four paths are namely: Better Choices, Nature and Biodiversity, Clean Energy, and Healthy.

Better Choices

Developing sustainable habits towards eco-friendly and healthy lifestyles

This learning path helps young people to reflect on the everyday impact their choices and actions have on their immediate surrounding environment. Through this path, young people will develop their own ideas on how their community and its consumption patterns can be designed and adapted to contribute to a more sustainable lifestyle.

Nature and Biodiversity

Connecting with nature and protecting it towards sustainability

Humans and nature are interdependent. Nature and biodiversity is an important learning environment for outdoor cosystems underpin the web of life and also provide nourishment in the form of food, act as water catchment areas, offer homes to a multitude of species, and serve as a balance for carbon removal. Young people will develop their own ideas on how the different demands towards nature can be balanced.

Clean Energy

Exploring and adopting sustainable energy options

Climate change is one of the most pressing challenges of our time facing society and young people. Climate change is mostly driven by our high demand for energy resources, including by-products from agriculture and forestry to produce energy. This strain puts responsibility on everyone individually to make changes towards a better solution. In this learning path, young people will reflect on their impact on the climate and their use of energy sources. Young people will explore new possibilities for sustainable energy and other practices to mitigate climate change.

Healthy Planet

Preventing and recovering water and land ecosystems from pollution

Young people thrive towards creating a better world for others and themselves. Understanding how pollution impacts the planet, identifying and challenging practices conducive to increasing pollution, and how to reduce its effects, implementing waste management is one aspect of this learning path. Land ecosystems, lakes, rivers, and oceans provide food and water for all of us, but are heavily impacted by careless pollution, and young people will work with the community, local organizations and partners to reduce, reuse and recycle waste, e.g. single-use plastics.

For more detail-*http://bsgindia.org/project_initiatives.php*

DISCIPLINE

by- Indraj Singh, Sikar

Discipline is the training of the mind in order to make it accept the rules and orders of a higher authority. It is a lesson that we can learn from the way the universe runs. Nature herself presents before us this valuable lesson.

All the heavenly bodies follow definite rules in moving around. The seasons come and go in definite patterns. Alight shift or indiscipline will cause confusions in this well planned nature system. Similarly discipline in our individual lives is the top most requirement of our society.

The word discipline is derived from the Latin word, 'discipulus' which means to learn. Discipline is the trait by which one learns to control one's feelings, emotions and behaviors. It is the ability for self-control and self-directions.

Disciplines enables us to think maturely, act maturely and to take decisions responsibly. It makes us self-propelled, self-controlled and self-guiding persons. It makes us responsible persons and principled individuals.

Today, a quick look around us will show how our society has come into the grips of chaos and confusions everywhere. Lack of discipline in our lives is a primary cause of all those.

Discipline is the pre-requisite for growth and development. The astounding Japanese growth and progress, after the second world war, when their nation was reduced to ashes, has been attributed to the strict discipline which the Japanese people possessed and utilized. Every profession, every service: politics, industry, economy, government etc., need discipline. Discipline is often associated with men in uniform. It is the hallmark of soldiers. Discipline in the army calls for strict obedience and humble submission. It calls for duty in face of adversity and courage in the face of odds. Without discipline no army can conquer, no army can win a war.

So discipline should strictly implemented in all schools. If our students are disciplined, our nation would be disciplined. Then our nation can develop and progress.

स्काउट... सैनिक व सन्त समान

"स्काउट आन्दोलन किसी एक व्यक्ति का नहीं है। इसे जो अपनाये, उसी की है स्काउटिंग। स्काउट, सैनिक और सन्त को मैं समान श्रेणी में मानता हूँ। तीनों नाम अति सम्माननीय हैं। सैनिक कठिन और कठोर परिस्थितियों में भी देश रक्षा में संलग्न रहता है। उसमें वह जज़्बा होता है कि अगर सीमा पर कोई कुदृष्टि भी डाले तो वह उसकी आँख निकाल लेगा। इतना समर्पित जीवन होता है, सैनिक का राष्ट्र के प्रति। इधर स्काउट सेवा के लिए राष्ट्र को समर्पित है। वे तो सेवा पथ के राही है। स्काउट को तो प्रशिक्षण ही इसी बात का दिया जाता है कि वह सदैव परिवार, समाज व राष्ट्र की सेवा के लिए तैयार रहे। और सन्त! सन्त वही है जो हर व्यक्ति में राष्ट्र प्रेम व परमार्थ सेवा की भावना जागृत करें। उसके मन को इतना पवित्र बना दे कि वह राष्ट्र का सच्चा नागरिक साबितहो। इसके लिए उसके मन को सबल बनाया जाता है – राम नाम के सदैव स्मरण से। राम नाम में वह शक्ति है जो व्यक्ति को निष्पापी, सेवा भावी और राष्ट्रसेवी बना दें।"

यह भावना व्यक्त की थी, अन्तर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश आचार्य श्री रामदयाल जी महाराज ने, सन् 1994 में गद्दी पदासीन के बाद प्रथम फूलडोल महोत्सव में स्काउटों के सेवा कार्यों का अवलोकन करते समय। पांच दिन तक स्काउट और रोवर्स शाहपुरा में आयोजित इस फूलडोल मेले में श्री रामनिवासधाम में अपनी सेवाएं देते हैं, जैसे भीड़ पर नियंत्रण, पंक्तिबद्ध दर्शनों की व्यवस्था, जूतों की सम्हाल, प्राथमिक चिकित्सा, खोये पाये बूथ पर जमा करना और पानी पिलाना आदि। लगभग एक सौ स्काउट और रोवर 20 स्काउटर्स के निर्देशन में अपनी सेवाएं देते हैं।

रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश जगद्गुरू स्वामी जी श्री 1008 श्री रामदयाल जी महाराज गादी पदासीन होने के बाद सन् 1996 में एक दफा शाहपुरा के समीप स्काउट गाइड शिविर केन्द्र, प्रतापपुरा (शिवपुरा) में पधारे। वहां आर्य समाज शाहपुरा द्वारा संचालित श्रीमद्दयानन्द उ.प्रा.विद्यालय का बिल्कुल स्काउट पैटर्न पर समाजोपयोगी उत्पादन कार्य एवं समाज सेवा का त्रिदिवसीय आवासीय शिविर चल रहा था। शिविर में कोई 100 छात्र/छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे। आचार्यश्री ने शिविर की गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण किया तथा अपने आशीर्वचन में फरमाया कि स्कूलों के प्रत्येक छात्र/छात्रा को इस प्रकार स्काउट गाइड का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण कुछ अधिक दिनों का दिया जाये तो यह उनकी आदत और स्वभाव में शुमार हो सकता है। उन्होंने मेरे से पूछा – 'डांगी जी, इस जंगल में यह माइक कहां से लाये।' मैंने कहा– 'हुजूर! शाहपुरा से किराये का मंगाया गया है।' तो तुरन्त आपने कहा कि 'माइक और माइण्ड किराये के काम नहीं देते।' फिर आचार्यश्री के शाहपुरा से भीलवाड़ा पधारते ही शिविर केन्द्र के लिए आपने नया माइक सेट उपलब्ध करवा दिया। यह है आपकी स्काउटिंग के प्रति सहृदयता और उदार भावना।

सन् 1998 में मैंने आचार्यश्री से निवेदन किया कि शाहपुरा में अजमेर डिविजन का स्काउटिंग का वार्षिक अधिवेशन होने जा रहा है। मैं उस समय स्थानीय संघ का सचिव था। मेरे सामने समस्या आई कि इस अवसर पर सम्मिलित होने वाले लगभग 500 प्रतिनिधियों, अतिथियों और सेवा कर्मियों को एक समय का स्पेशल भोजन किसकी तरफ से हो। द्वितीय, इनकी सबकी आवास व्यवस्था कहाँ हो तथा तृतीय, प्रतिनिधियों को स्मृति स्वरूप क्या व कहाँ से दिलाया जावे। न मालुम कैसे मैंने हिम्मत जुटाई और हुजूर के समक्ष तीनों समस्याएं अर्ज की। सरलमना आचार्य श्री रामदयाल जी महाराज ने तुरन्त ही कहा कि आप सारी व्यवस्था करें। आपकी तीनों समस्या का समाधान रामप्रभु पूरी करेंगे। रामशाला भवन आवास हेतु निःशुल्क प्राप्त हुआ, जिसमें 250 कमरें हैं, नल, बिजली समेत। श्री रामनिवास धाम से एक समय की स्वादिष्ट प्रसादी (भोजन) स्वीकृत हुई। स्मृति स्वरूप मेरे सुझाव पर सबको एक–एक स्कार्फ व वोगल भेंट किये गए जिन पर श्री रामनिवास धाम और आधाचार्य स्वामी जी श्री रामचरण जी महाराज के स्वरूप थे। कितनी उदारता और अनूठा व्यक्तित्व।

स्व.श्री राजेन्द्रप्रसाद सिंह डांगी, शाहपुरा (भीलवाड़ा) द्वारा प्रेषित आलेख का अंश

सेवक के हाथ : पावन-पवित्र

प्रस्तोता - ताराचन्द जैन

एक सन्त महात्मा जंगल में रहते थे। वे हमेशा दूसरों की सेवा करने में ही अपना परम उद्देश्य समझते थे। उनका कोई दिन ऐसा नहीं जाता कि उन्होंने लोगों की सेवा नहीं की हो। उनका हर क्षण–हर पल सेवा करने में ही गुजरता था। सन्त चमत्कारी भी थे। उनके आस–पास अनेक भक्तों की भीड़ लगी रहती थी। वे सदैव सभी की हर तरह की सहायता करते रहते थे। एक बार उन्हें प्यास लगी, तो उन्होंने अपने भक्तों से कहा कोई मुझे पवित्र हाथों से पानी पिलावें। वे जाँच करना चाहते थे कि कोई पवित्रता का असली अर्थ समझता है या नहीं?

सन्त की बात सुन कर एक धनाढ्य सभ्रांत व्यक्ति उठा और जल का पात्र लाकर महात्मा जी के सामने किया। जल पात्र लेते समय सन्त महात्मा का स्पर्श उस व्यक्ति के हाथ से हो गया। वे पूछ बैठे– आपके हाथ तो बड़े कोमल हैं! आखिर क्या बात है कि आपके हाथ इतने कोमल हैं? वह सन्त की बात को अपनी प्रशंसा समझ कर फूला न समाया और बोला– महात्मन् मेरे अनेक सेवक हैं। वे सब मेरी सेवा में लगे रहते हैं। मुझे तो काम करने का मौका ही नहीं मिलता। मैं कोई कार्य करता ही नहीं, इसलिए मेरे हाथ इतने कोमल हैं।

बस, क्या था– सन्त महात्मा ने अधरों तक लाये हुए जल पात्र को नीचे रख दिया और गंभीर स्वर में बोले– जिन हाथों ने कभी दूसरों की सेवा ही नहीं की, वे पवित्र कैसे हुये? पवित्रता तो सेवा से ही प्राप्त होती है। आपने तो किसी की सेवा की ही नहीं इसलिये आपके हाथ अपवित्र हैं। मैं आपके हाथ का जल ग्रहण नहीं कर सकता।

इतने में महात्मा की नज़र पास की जमीन पर स्कार्फ लगायें बालचरों पर पड़ी। उन्हें महात्मा जी ने आवाज दी। सभी रोवर्स, स्काउट व गाइड भाग कर महात्मा जी के पास आये और बड़ी विनम्रता से बोले– हमारे लिये सन्त–भगवन् क्या आज्ञा है? महात्मा ने बालकों से कहा कि मुझे प्यास लगी है। कोई मुझे अपने पवित्र हाथों से पानी पिलावे। देखते ही देखते कई रोवर्, स्काउट्स व गाइड्स ने दौड़ कर अपने हाथ धोये और साफ–सुथरे हाथों से लोटा–गिलास आदि भर कर लाये और प्रार्थना की कि हमारे हाथों से जल स्वीकार करें।

महात्मा जी ने बालचरों से कहा– यह उबड़–खाबड़ ज़मीन तो रामू किसान की है, आप लोग यहाँ क्या कर रहे हैं? बालचर बोले– महात्मन्! अभी हमारे सेवा सप्ताह चल रहा है। रामू किसान निर्बल, कमजोर और वृद्ध है। उनके कोई काम करने वाला है नहीं और उनसे कुछ काम होता नहीं। हमने सोचा रामू किसान की जमीन हमारे कार्य करने से समतल हो जायेगी, बाउण्ड्री बन जायेगी और पेड़–पौधे भी लग जायेंगे। इस उद्देश्य से सप्ताह–भर काम करने आये हैं। एक रोवर बोला– हमारा सेवा करने का उद्देश्य पूरा हो जायेगा। जो हमारा मुख्य उद्देश्य है। रामू किसान की जमीन सुधर जायेगी। साथ ही हमारा सेवा सप्ताह भी पूरा हो जायेगा।

सन्त अत्यन्त प्रसन्नता के साथ बोले – वास्तव में आप सच्चे और अच्छे सेवाभावी हैं। अतः सेवा करने वालों के हाथ सदैव पावन पवित्र होते हैं। मैं आप सभी के हाथों से एक–एक घूंट पानी पीयुंगा। सभी ने सन्त महात्मा को उदार भाव से पानी पिलाया और पुनः सेवा कार्य में जुट गये।

सभ्रांत व्यक्ति इस समुचे दृश्य का अवलोकन कर रहा था। उसको बड़ा पश्चाताप हुआ और सन्त–भगवन् के चरणों में गिरकर प्रतिज्ञा ली कि अब मैं मेरा काम अपने हाथों से करूंगा। साथ ही सेवा कार्य को अपने जीवन का पर्याय समझुंगा।

38, मरूधर केसरी नगर, पाली

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के तत्वावधान में सांगानेरी गेट स्थित स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र पर संचालित किए गए पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य एवं सीओ स्काउट विनोद घारू की अध्यक्षता तथा प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर (गाइड) उर्मिला जोशी व राजकुमार प्रजापत के विशिष्ट आतिथ्य में समापन हुआ। शिविर संचालक एवं सचिव स्थानीय संघ प्रेम शंकर जोशी के

अनुसार शिविर में राज्य पुरस्कार पाठ्यक्रम के अनुसार कैंप क्राफ्ट, झंडा गीत, प्रार्थना, नियम प्रतिज्ञा, पायनियरिंग, प्राथमिक चिकित्सा, हाइक, फ्री बीइंग मी, लॉग बुक बनाना, दक्षता बेज, ध्वज शिष्टाचार का गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया एवं राज्य पुरस्कार हेतु आवेदन फार्म भरवाए गए। सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित की गई। समापन समारोह में हेमेंद्र सोनी, आयुष सैनी, अशोक कुमार शर्मा, शिव प्रसाद धोबी, कैलाश दाधीच, संगीता व्यास, सरस्वती पारीक, सरोज शर्मा, रामनिवास शर्मा प्रशिक्षक उपस्थित थे।

- भीलवाड़ा में 25 जुलाई से माननीय किशोर न्याय समिति, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं राजपाल सिंह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 'नवचेतना जीवन कौशल और औषधि शिक्षा मॉड्यूल' पर आधारित शराब. नशीली दवाओं के आदतन व्यक्तियों के लिए पूरे जिले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार में आने वाले सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के माध्यम से दो चरणों में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके तहत प्रथम चरण में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर के स्कूली विद्यार्थियों एवं स्काउट गाइड के माध्यम से एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। साइकिल रैली में स्कूली विद्यार्थियों द्वारा अपनी साइकिल पर नशा मुक्ति जागरूकता के स्लोगन, नारे लिखि तख्तियां बांध कर साइकिल रैली में नशा मुक्ति जागरूकता नारों के माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहने एवं नशे के दुष्परिणाम के बारे में

जागरूक किया गया। जागरूकता रैली विद्यालय परिसर से छोटी पुलिया चौराहा, सुभाष नगर, साईं मंदिर रोड, सामुदायिक भवन चौराहा, बड़ी पुलिया चौराहा तथा टेंपो स्टैंड से होते हुए आवासीय बस्तियों में से होती हुई विद्यालय परिसर पहुंची। साइकिल रैली में कुल 60 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

साइकिल रैली से पूर्व सचिव राजपाल सिंह ने स्कूली विद्यार्थियों की प्रार्थना सभा में ही संबोधित करते हुए उन्हें बताया कि नशा चाहे कैसा भी हो बुरा ही होता है इसका सबसे ज्यादा असर दिमाग पर पड़ता है मादक पदार्थों के अधिक सेवन से दिमाग कमजोर हो जाता है और याद्दाश्त भी कमजोर पड़ने लगती है। नशा व्यक्ति के दिमाग और शरीर दोनों के लिए हानिकारक होता है। इसलिए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यालय के स्काउट इंचार्ज एवं सचिव स्काउट गाइड स्थानीय संघ भीलवाड़ा प्रेम शंकर जोशी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा इस आयोजन के लिए उनके विद्यालय के चयन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम से बच्चों में नशे की प्रवृत्ति से दूर रहने की प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर उपप्राचार्य दिनकर व्यास, भारती शर्मा, सोनू खटीक, व्याख्याता विकास जोशी, गाइड कैप्टन संगीता व्यास, शारीरिक शिक्षा व्याख्याता सुनील खोईवाल उपस्थित थे।

भरतपुर मण्डल

- भरतपुर में मानव श्रृंखला बनाकर मतदान जागरूकता का संदेश दिया। आगामी विधानसभा चुनाव 2023 में मतदाताओं

की शत–प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु निर्वाचन विभाग के स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत 11 अगस्त 2023 को प्रातः 8.30 बजे जिला कलक्ट्रेट भरतपुर पर मानव श्रृंखला बनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकबंधू, अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री रतनलाल स्वामी ने मानव श्रृंखला का अवलोकन कर संभागीगण को धन्यवाद दिया।

मंडल मुख्यालय भरतपुर के रोवर–रेंजर एवं स्काउट–गाइड ने मानव श्रृंखला की एक कड़ी बनाकर से श्री रामजस लिखाला (ए.एस.ओ.सी. स्काउट) के सानिध्य एवं नेतृत्व में मतदान जागरूकता का संदेश दिया।

जयपुर मण्डल

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में विश्व स्कार्फ एवं विश्व स्काउटिंग सूर्योदय दिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ जिला मुख्यालय पर मनाया गया। कार्यक्रम के तहत बसंत कुमार लाटा सीओ स्काउट सीकर के निर्देशन में 500 से अधिक स्कार्फ की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्घाटन अनु शर्मा, सहायक निदेशक पर्यटन विभाग सीकर, आनंद भारद्वाज सहायक पर्यटन अधिकारी सीकर ने किया। प्रदर्शनी में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय, ग्रुप स्तरीय गतिविधियों, अंतर्राष्ट्रीय जंबूरियों, ट्रेनिंग काउंसलर सम्मेलन, हिमालय वुड बेज यूनियन, विश्व जंबूरियों, फ्रेंडशिप कैंप, कमिश्नर सम्मेलन, विभिन्न देशों की स्काउट गाइड जम्बूरी एवं विभिन्न कॉन्फ्रेंस के स्कार्फ को विभिन्न आकृतियों

में लगाया गया एवं आगंतुक अतिथियों व प्रदर्शनी देखने वाले लोगों को स्कार्फ के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर स्कार्फ के क्या क्या उपयोग है और हो सकते हैं, के बारे में स्काउट व रोवर्स द्वारा प्रदर्शन किया गया। स्काउट के स्कार्फ स्काउट यूनिफॉर्म का भाग तो है ही उसके साथ–साथ आपदा प्रबंधन, विभिन्न दुर्घटनाओं में, दैनिक आवश्यक कार्यों को पूर्ण करने में भी किया जाता है। दुर्घटनाओं के वक्त स्ट्रेचर बनाने के लिए, सिर की पट्टी, पंजे की पट्टी, घुटने की पट्टी, हाथ की पट्टी, जबड़े की पट्टी, छोटा झोल, बड़ा झोल व आपदा प्रबंधन कार्य में भी किया जाता है।

मुख्य अतिथि अनु शर्मा, सहायक निदेशक, पर्यटन विभाग सीकर ने सभी स्काउट सदस्यों को विश्व स्काउट स्कार्फ दिवस पर शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा की स्काउट गाइड का स्कार्फ यूनिफार्म के साथ–साथ सेवा का प्रतीक है। स्काउट गाइड के स्कार्फ ने विगत 1907 से 2023 तक 117 वर्षों में लाखों लोगों को आपदा में, सड़क दुर्घटना में लाखों लोगों की प्राथमिक उपचार में काम आकर जान बचाई है जो काबिले तारीफ है। इस अवसर पर पौधारोपण, संगोष्ठी, आपदा प्रबंधन में स्कार्फ से प्राथमिक उपचार करना, शपथ सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान देवीलाल जाट सहायक सचिव सीकर, ओमप्रकाश रेगर स्काउट मास्टर, रोनित जोगाणी, श्याम रथ, लोकेश, बलराम सहित स्काउट गाइड आंदोलन के सदस्य मौजूद रहे।

स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा के आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय कोलीड़ा में विश्व स्कार्फ दिवस मनाया गया स्काउट मास्टर अलिताब धोबी ने बताया विद्यालय में स्काउट्स द्वारा स्कार्फ प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा पौधों की देखरेख खरपतवार उखाड़ने का कार्य भी किया गया। इस प्रदर्शनी को विद्यालय के अनेक बच्चों ने देखा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सुल्तान सिंह मील, सीतादेवी मील, रविंद्र कुमार, रजब स्काउट हर्षित वर्मा, लवीश कुमार, बादल, प्रिंस, विनित, अमन अभिषेक कुमावत तथा समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

भारत स्काउट व गाइड एवं ग्राम पंचायत दुधवा, जिला सीकर के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दुधवा में हरित पाठशाला कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण का कार्य किया गया। स्थानीय विद्यालय के संस्था प्रधान श्री विजय सिंह एवं स्काउट मास्टर श्री प्रभुदयाल गर्वा के निर्देशन में स्काउट एवं स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा शारीरिक शिक्षक श्री किशोर सिंह गुर्जर के सहयोग से विद्यालय प्रांगण एवं खेल मैदान में लगभग ढाई सौ छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। जिनकी सुरक्षा एवं संरक्षा का जिम्मा विद्यालय के कर्मठ स्काउट एवं अध्ययनरत विद्यार्थियों

ने लिया। इस अवसर पर कर्मठ स्काउट दिनेश कुमार, नरेश कुमार, सचिन कुमार, देव हरिजन, दक्ष भार्गव, अमित कुमार तथा अन्य सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं गांव के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सभी स्काउट्स एवं विद्यार्थियों का संस्था प्रधान द्वारा आभार प्रकट किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टोडी माधोपुरा, जिला–सीकर के स्काउट्स ने स्काउट मास्टर किशन लाल सियाक के निर्देशन में ग्राम पंचायत पलासरा के तत्वावधान में राजस्थान सरकार के आदेश अनुसार आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों के लिए खेल मैदान तैयार करने में सहयोग प्रदान किया एवं खेलों के दौरान स्वयंसेवक के रूप में जल व्यवस्था, लाइनिंग कार्य, समारोह की व्यवस्था, पूछताछ सहित 5 अगस्त से

लगातार सेवाएं प्रदान की। सेवा कार्य में राहुल डूडी, रोहित डूडी, कमलेश कुमार, अनिल गठाला, सुरेंद्र कुमार, राकेश कुमार, सुनील कुमार, कमलेश कुमावत, राकेश गुर्जर, बाबूलाल कुमावत ने उत्कृष्ट सेवाएं दी। संस्था प्रधान सुरेश कुमार शर्मा ने स्काउट के कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, सीकर के श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विद्यालय के संस्था प्रधान पवन कुमार शर्मा, स्काउट मास्टर ओमप्रकाश रेगर, अशोक सेवदा, पुरुषोत्तम शर्मा, सुमित्रा देवी के नेतृत्व में विद्यालय के स्काउट सदस्यों ने शपथ ली।

इस अवसर पर स्काउट्स द्वारा मतदाता जागरूकता संबंधी तख्तियां लेकर विद्यालय में एवं विद्यालय के बाहर मतदाता जागरूकता के नारे लगाते हुए विद्यार्थियों एवं जनसाधारण को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर पवन कुमार शर्मा ने कहा कि स्काउट्स सदस्य घर–घर संपर्क कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु लोगों को प्रेरित करें।

जोधपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, जोधपुर की ओर से गौशाला मैदान में 01 अगस्त को विश्व स्कार्फ दिवस मनाते हुए विभिन्न प्रकार के स्कार्फ की उपयोगिता और जानकारी स्कार्फ प्रदर्शन द्वारा दी गई।

इस अवसर पर स्थानीय संघ सचिव नारायण सिंह साँखला ने सेवा का पर्याय स्कार्फ के बारे में नये स्काउट छात्र, जिन्होंने प्रवेश बैज पास कर लिया है, को इस दिवस पर स्कार्फ पहनाकर स्काउट संगठन से जोड़ा। 10 विद्यालयों के 54 स्काउट गाइड को प्रवेश बैज प्रदान कर स्कार्फ पहनाया गया।

स्काउटर महेन्द्र सैन ने स्कार्फ में सेवा की गांठ लगाने का तरीका बताते हुए प्रतिदिन एक भलाई का कार्य करने का सन्देश दिया। श्री सैन ने बताया कि स्कार्फ में लगी गांठ स्काउट संगठन में सेवा की प्रतीक है। स्कार्फ की साइज 90 सेंटीमीटर होता है, जिसका उपयोग स्काउट द्वारा आपात स्थिति, प्राकृतिक आपदा के समय घायलों के हाथ–पैर व सिर

में पट्टी और झोल बाँधकर सहारा देते हुए प्राथमिक उपचार में किया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर स्कार्फ की सहायता से स्ट्रेचर बनाना, कुएं से पानी निकालना आदि अनेक सेवा कार्य किए जाते हैं।

कार्यक्रम में पधारे अतिथि ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सज्जाद हुसैन खान को प्रभारी कमिश्नर का स्कार्फ पहनाकर अभिनन्दन किया गया। सज्जाद हुसैन खान ने नव स्काउट को स्कार्फ दिवस की महत्ता बताते हुए बधाई दी। इस अवसर पर स्काउट गाइड के साथ गाइडर अरूणा सोलंकी, लीला चौधरी, यास्मीन शेख भी उपस्थित रहे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला पाली के जिला स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र बजरंगबाड़ी, पाली में 5 दिवसीय राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर 17 से 21 अगस्त 2023 तक आयोजित किया गया। शिविर में जिले की 27 विद्यालयों से 175 स्काउट ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर संचालक मोहन सिंह राठौड़ ने बताया कि शिविर के तीसरे दिवस जोधपुर मंडल सहायक राज्य संगठन आयुक्त बाबू सिंह राजपुरोहित ने शिविर का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षण व जाँच शिविर से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर जिला कलक्टर कार्यालय पाली के लेखा अधिकारी गणेश चोधरी ने सभी स्काउट को मतदान की शपथ दिलाई तथा अपने उदबोधन में कहा कि स्काउट गाइड अनुशासन का प्रतीक और एक आदर्श जीवनशैली जीने वाला सभ्य बालक होता है, जीवन मे सतत प्रयास करते हुए ही सफलता प्राप्त की का सकती है। सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि इस सत्र में अब तक जिले से 526 स्काउट

राज्य पुरस्कार, 138 गाइड, 69 रोवर और 48 रेंजर राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। शिविर में संचालक पुरुषोत्तम पूरी गोस्वमी, मोहन सिंह, चंदन मल, शिव प्रसाद सोनी, मूलाराम पंवार, वजाराम राणा, कैलाश कुमार, बलवीर पारगी, ताराचंद जैन, कर्मा राम, रघुनाथ मीना, दौलत सिंह राठौड़ द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा रोवर घीसाराम, मनीष, दिनेश, हरीश, राहुल, कैलाश और विक्रम द्वारा सेवाएं प्रदान की गई।

उदयपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में आयोजित दिनांक 31 जुलाई से 4 अगस्त 2023 तक राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड, रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। स्काउट गाइड मुख्यालय, बीपी पार्क, किला रोड़, चित्तौड़गढ़ पर आयोजित इस शिविर के समापन के दिन मेवाड़ विश्वविद्यालय के ब्रांड मैनेजर अमित कुमार चेचानी ने प्रशिक्षणार्थियों को व्यक्तित्व विकास के संबंध में जानकारी दी। श्री चेचानी ने बताया कि कला और कौशल अमर होते है वह कभी भी रिटायर नहीं होते। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ–साथ किसी भी क्षेत्र में अपनी कला व कौशल का विकास करना चाहिए, जिससे उनके व्यक्तित्व में निखार आए और वह अपने जीवन में उन्नति कर सकें। जो विद्यार्थी किसी भी कला व कौशल के क्षेत्र में निपुण होता है वह हमेशा सफलता के मार्ग की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय में चल रहे विभिन्न कोर्स की जानकारी देते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए विभिन्न तरह के स्किल डेवलपमेंट के कोर्स विश्वविद्यालय में

उपलब्ध करा रखे हैं, जिसमें वह शिक्षा लेकर अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं।

इस अवसर पर जिला मुख्यालय चित्तौड़गढ़ के सी.ओ. चंद्र शंकर श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के आरंभ में श्री चेचानी का स्वागत किया और इस प्रशिक्षण शिविर में होने वाली गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर स्काउट के पदाधिकारी चतर सिंह राजपूत, सत्यनारायण सोमानी, राजकुमार सुखवाल, मनोज कुमार बोहरा, शीला दशोरा, रेखा कुमावत, युवराज तंबोली, निर्मल सिंह तंवर व स्काउट सांवरिया लाल गुर्जर, भगत भूल उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण शिविर में चित्तौड़गढ़ जिले के 300 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

- कुंभलगढ़–राजसमंद जिला परिक्षेत्र के समीपवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली, स्थानीय संघ कुंभलगढ़ के

दो स्काउट्स को उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2023 को सती के छापर में सम्मान प्रदान किया गया।

सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) व शारीरिक शिक्षक राकेश टॉक ने बताया कि सत्र 2022–23 में विद्यालय के पेमाराम भील ने राज्य स्तर पर 19 वर्ष खो–खो टीम में राजसमंद जिले का प्रतिनिधित्व चाकसू, जयपुर में तथा भरत लाल नाई ने राज्य स्तर पर 19 वर्ष रस्साकसी प्रतियोगिता में राजसमंद जिले का प्रतिनिधित्व नोखा, बीकानेर में किया। साथ ही दोनों स्काउट्स ने राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के राज्य प्रशिक्षण शिविर केन्द्र जगतपुरा में आयोजित राज्य पुरस्कार समारोह 2023 में माननीय राज्यपाल महोदय श्रीयुत् कलराज मिश्र से राज्य पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल किया था। इस उपलब्धि के उपलक्ष में कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़ व उपखंड अधिकारी जयपाल सिंह राठौड़ ने प्रमाणपत्र व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही उपखंड स्तरीय

स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण पर परेड निरीक्षण तथा मार्च पास्ट में कुंचौली के स्काउट्स कुंदन सिंह सिसौदिया, युवराज प्रजापत, जगदीश प्रजापत, हिमांशु प्रजापत व लक्ष्य राज सेन की कलर पार्टी ने सहायक लीडर ट्रेनर राकेश टांक के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

- गोगुंदा–उदयपुर जिला परिक्षेत्र के समीपवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोड़ी की उप–प्राचार्य व गाइडर माधवी त्रिपाठी को उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2023 में सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य कपिल देव श्रीमाली ने जानकारी देते हुए बताया कि माधवी त्रिपाठी को गत सत्र में स्काउटिंग गाइडिंग की उच्च योग्यता हिमालय वुड बैज का प्रशिक्षण राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, मंडल प्रशिक्षण केंद्र, रिडमलसर, बीकानेर से सफलतापूर्वक प्राप्त करने एवं विद्यालय की गाइड्स को राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र दिलवाने के उपलक्ष्य में उपखंड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2023 में उपखंड

अधिकारी गोगुंदा हनुमान सिंह राठौड़ ने प्रमाण पत्र व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया। त्रिपाठी ने गत वर्षो में स्थानीय संघ गोगुंदा, जिला उदयपुर के मोड़ी विद्यालय से 23 गाइड्स को अभी तक राज्य पुरस्कार प्रदान करवाया है।

- कुंभलगढ़–राजसमंद जिला परिक्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुंचौली, स्थानीय संघ कुंभलगढ़ में सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) राकेश टॉक के मार्गदर्शन में 1 अगस्त 2023 को विश्व स्काउट स्कार्फ दिवस मनाया गया। कार्यकम में मुख्य अतिथि सुरज्ञान मीणा व विशिष्ट अतिथि नाना लाल भील थे।

सहायक लीडर ट्रेनर (स्काउट) एवं शारीरिक शिक्षक राकेश टॉक ने स्काउट्स को कार्यशाला के माध्यम से विश्व स्काउट दिवस के बारे में जानकारी प्रदान की, साथ ही 101 स्कार्फ की

प्रदर्शनी लगाई तथा उसका अवलोकन विद्यार्थियों व आमजन को करवाया गया। कार्यक्रम में स्काउट्स व विद्यार्थियों के साथ भगवतीलाल आमेटा, गणेश लाल मेघवाल, मानाराम भील, कमल लोहार व कमला प्रजापत उपस्थित थे।

- 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2023 को इंदिरा गाँधी स्टेडियम चित्तौड़गढ़ में आयोजित जिला स्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह में माननीय सहकारिता मंत्री, राजस्थान सरकार श्री उदय लाल आंजना, जिला कलक्टर चित्तौड़गढ़ श्री पीयुष समारिया एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर

प्रशासन, चित्तौड़गढ़ श्री अभिषेक गोयल द्वारा सी ओ स्काउट चन्द्र शंकर श्रीवास्तव को जिला स्तर पर विभिन्न गतिविधियों व स्काउट गाइड के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने एवं जिले का नाम राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर गौरवान्वित करने के उपलक्ष्य में एवं रोवर जसवंत बहादुर को 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी में सराहनीय सहयोग देने और राज्य पुरस्कार रोवर देवव्रत शर्मा को राज्य स्तर पर कुश्ती प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त करने के उपलक्ष्य में प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पाली विज़िट

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली एवं जिला प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर का संयुक्त राज्य सचिव श्री महेन्द्र सिंह राठौड़ ने अवलोकन किया, तथा शिविर में भाग ले रहे 175 स्काउट से संवाद किया।

श्री राठौड़ ने प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी, पाली पर भामाशाहों द्वारा करवाए गये विकास कार्यों का अवलोकन किया। राजस्थान के उत्कृष्ट जिला मुख्यालयों में से एक मुख्यालय पाली के भौतिक विकास के लिए सतत प्रयासरत स्थानीय सर्कल ऑर्गेनाइजर को बधाई दी तथा उत्साहवर्धन किया।

स्काउट की कलम से

कदमताल के यादगार क्षण

मैं ने व मेरे साथी रोवर्स और रेंजर्स ने इस स्वाधीनता दिवस के अवसर पर राजकीय महाविद्यालय अजमेर में कदम से कदम मिलाते हुए परेड की, साथ ही साथ जिला स्तरीय परेड में भी हिस्सा लिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर परेड में भाग लेना ऐसा लगा जैसे तन–मन में देशभक्ति का संचार हुआ हो। यह मेरी दूसरी जिला स्तरीय परेड थी। भारत स्काउट एवं गाइड की ड्रेस पहन के स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में सम्मिलित होना एक बहुत गर्व का विषय है। एक रोवर के रूप में जीवन में प्रथम बार लगा की मेरा और मेरे साथी रोवर्स और रेंजर्स की भी देश और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी है।

जब महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने स्काउट एवं गाइड को देश की ऐसी सस्था बताया जो बिना किसी स्वार्थ के भाव से देश निर्माण का कार्य करती हैं, हर परिस्थिति में अपना योगदान देती है, तो हम सभी गर्व से फूल गए। बहुत बहुत आभार इस सगंठन का जो सदैव हमारा मार्गदर्शन करता है।

कहना तो बहुत कुछ है परन्तु फिलहाल इतना ही।

जय हिन्द जय भारत!

रोवर मयंक सिंह नेगी
सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

हमारा स्वास्थ्य

अलसी के असरकारी नुस्खे

संकलनकर्त्ता – डॉ. पी.सी. जैन

अलसी में कई सारे असरकारी गुण हैं, लेकिन लोगों को इसके बारे में बहुत कम पता होता है। अलसी का रोज सेवन करने से आप कई रोगों से छुटकारा पा सकते हैं। अलसी में ओमेगा–3 पाया जाता है। यह हमें कई रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। ओमेगा–3 हमारे शरीर के अन्दर नहीं बनता है, इसे भोजन द्वारा ही ग्रहण किया जा सकता है। शाकाहारियों के लिए अलसी से अच्छा इसका कोई और स्त्रोत नहीं है। माँसाहारियों को तो यह मछली से मिल जाता है। अगर आप स्वयं को निरोग और चुस्त–दुरूस्त रखना चाहते हैं तो रोज कम से कम एक दो चम्मच अलसी को अपनी आहार में शामिल करें।

अलसी के फायदे

- अलसी शरीर को ऊर्जा व स्फूर्ति प्रदान करता है।
- कैंसररोधी हार्मोंस की सक्रियता बढ़ाता है।
- रक्त में शर्करा तथा कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है।
- जोड़ों के दर्द में राहत दिलाता है।
- पेट साफ रखने का घरेलू व आसान नुस्खा है।
- हृदय संबंधी रोगों के खतरे को कम करता है।
- हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है।
- त्वचा को स्वस्थ रखता है एवं सूखापन दूर कर एग्जिमा आदि से बचाता है।
- यह शरीर में अच्छे कोलेस्ट्रोल को बढ़ाती है और खराब कोलेस्ट्रोल को कम करती है।
- इसका नियमित सेवन रजोनिवृत्ति संबंधी परेशानियों से राहत प्रदान करता है। मासिक धर्म के दौरान ऐंठन को कम कर गर्भाशय को स्वस्थ रखता है।
- यकृत को स्वस्थ रखता है।

बिमारी के अनुसार अलसी का सेवन

- खांसी होने पर अलसी की चाय पीना स्वास्थ्यकर रहता है। पानी को उबालकर उसमें अलसी पाउडर मिलाकर चाय तैयार करें। इसका सेवन दिन में दो–तीन बार करें।
- दमा के रोगी को एक चम्मच अलसी के पाउडर को आधा गिलास पानी में 12 घंटे तक भिगोने के पश्चात उसका सुबह–शाम छानकर सेवन करना चाहिये। काफी लाभ होगा।
- डायबीटिज के मरीज को 25 ग्राम अलसी खाना चाहिए। इन्हें अलसी को पीस कर आटे में मिलाकर रोटी बनाकर खानी चाहिये।
- कैंसर रोगियों को 3 चम्मच अलसी का तेल पनीर में मिलाकर उसमें सूखे मेवे मिलाकर देने चाहिये।
- अलसी सेवन के दौरान खूब पानी पीना चाहिए। इसमें अधिक फाइबर होता है, जिससे प्यास ज्यादा लगती है।
- अगर आप स्वस्थ हैं तो भी आपको रोज सुबह–शाम एक–एक चम्मच अलसी का पाउडर पानी के साथ, सब्जी, दाल या सलाद में मिलाकर लेना चाहिये। आप स्वास्थ्य रहेंगे।

अलसी का तेल भी है गुणकारी

अलसी का तेल भी गुणों से भरपूर है। अगर त्वचा जल चाये, तो अलसी का तेल लगाने से दर्द व जलन से राहत मिलती है। इसमें विटामिन–ई होता है। इसका कुष्ठ रोगियों को सेवन करना चाहिए। त्वचा पर लाभ होगा।

मिथ्य

कुछ लोगों का मानना है कि अलसी गर्म होती है, इसलिए गर्मी के मौसम में इसका सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन यह मात्र एक मिथ्य है। अलसी को आप किसी भी मौसम में खा सकते हैं, यह गर्म नहीं होती है। हो सकता है कि शुरूआत में आपको पतले दस्त होने लगे लेकिन इससे घबराने की जरूरत नहीं है। बाद में अपने आप सब ठीक हो जाता है।

राज्य सचिव, जयपुर

हमारे महापुरुष

सुभद्रा कुमारी चौहान

भारतीय महिला साहित्यकार

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

सुभद्रा कुमारी चौहान हिन्दी की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका थीं। उनके दो कविता संग्रह तथा तीन कथा संग्रह प्रकाशित हुए पर उनकी प्रसिद्धि झाँसी की रानी कविता के कारण है। ये राष्ट्रीय चेतना की एक सजग कवयित्री रही हैं, किन्तु इन्होंने स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल यातनाएँ सहने के पश्चात अपनी अनुभूतियों को कहानी में भी व्यक्त किया। वातावरण चित्रण–प्रधान शैली की भाषा सरल तथा काव्यात्मक है, इस कारण इनकी रचना की सादगी हृदयग्राही है।

जीवन परिचय

उनका जन्म 16 अगस्त 1904 को नागपंचमी के दिन इलाहाबाद के निकट निहालपुर नामक गांव में रामनाथसिंह के जमींदार परिवार में हुआ था। बाल्यकाल से ही वे कविताएँ रचने लगी थीं। उनकी रचनाएँ राष्ट्रीयता की भावना से परिपूर्ण रहीं हैं। सुभद्रा कुमारी चौहान, चार बहनें और दो भाई थे। उनके पिता ठाकुर रामनाथ सिंह शिक्षा के प्रेमी थे और उन्हीं की देख–रेख में उनकी प्रारम्भिक शिक्षा भी हुई। सुभद्रा और महादेवी वर्मा दोनों बचपन की सहेलियाँ थीं। 1919 में खंडवा के ठाकुर लक्षमण सिंह के साथ विवाह के बाद वे जबलपुर आ गई थीं। 1921 में गांधी जी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाली वह प्रथम महिला थीं। वे दो बार जेल भी गई थीं। सुभद्रा कुमारी चौहान की जीवनी, इनकी पुत्री, सुधा चौहान ने 'मिला तेज से तेज' नामक पुस्तक में लिखी है। इसे हंस प्रकाशन, इलाहाबाद ने प्रकाशित किया है। वे एक रचनाकार होने के साथ–साथ स्वाधीनता संग्राम की सेनानी भी थीं। डॉव मंगला अनुजा की पुस्तक सुभद्रा कुमारी चौहान उनके साहित्यिक व स्वाधीनता संघर्ष के जीवन पर प्रकाश डालती है। साथ ही स्वाधीनता आंदोलन में उनके कविता के जरिए नेतृत्व को भी रेखांकित करती है। 15 फरवरी 1948 को एक कार दुर्घटना में उनका आकस्मिक निधन हो गया था।

कथा साहित्य

बिखरे मोती उनका पहला कहानी संग्रह है। इसमें भग्नावशेष, होली, पापीपेट, मंझली रानी, परिवर्तन, दृष्टिकोण, कदम के फूल, किस्मत, मछुये की बेटी, एकादशी, आहुति, थाती, अमराई, अनुरोध व ग्रामीणा कुल 15 कहानियां हैं। इन कहानियों की भाषा सरल बोलचाल की भाषा है। अधिकांश कहानियां नारी विमर्श पर केंद्रित हैं। उन्मादिनी शीर्षक से उनका दूसरा कथा संग्रह 1934 में छपा। इस में उन्मादिनी, असमंजस, अभियुक्त, सोने की कंठी, नारी हृदय, पवित्र ईर्ष्या, अंगूठी की खोज, चढ़ा दिमाग व वेश्या की लड़की कुल 9 कहानियां हैं। इन सब कहानियों का मुख्य स्वर पारिवारिक सामाजिक परिदृश्य ही है। सीधे साधे चित्र सुभद्रा कुमारी चौहान का तीसरा व अंतिम कथा संग्रह है। इसमें कुल 14 कहानियां हैं। रूपा, कैलाशी नानी, बिआल्हा, कल्याणी, दो साथी, प्रोफेसर मित्रा, दुराचारी व मंगला 8 कहानियों की कथावस्तु नारी प्रधान पारिवारिक सामाजिक समस्यायें हैं। हींगवाला, राही, तांगे वाला एवं गुलाबसिंह कहानियां राष्ट्रीय विषयों पर आधारित हैं। सुभद्रा कुमारी चौहान ने कुल 46 कहानियां लिखी और अपनी व्यापक कथा दृष्टि से वे एक अति लोकप्रिय कथाकार के रूप में हिन्दी साहित्य जगत में सुप्रतिष्ठित हैं।

सुभद्रा कुमारी चौहान के सम्मान में जारी डाक-टिकट

सम्मान पुरस्कार

भारतीय तटरक्षक सेना ने 28 अप्रैल 2006 को सुभद्रा कुमारी चौहान की राष्ट्रप्रेम की भावना को सम्मानित करने के लिए नए नियुक्त एक तटरक्षक जहाज़ को सुभद्रा कुमारी चौहान का नाम दिया है। भारतीय डाकतार विभाग ने 6 अगस्त 1976 को सुभद्रा कुमारी चौहान के सम्मान में 25 पैसे का एक डाक–टिकट जारी किया।

झाँसी की रानी

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हर बोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

कानपूर के नाना की, मुँह बोली बहन छबीली थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के सँग पढ़ती थी वह, नाना के सँग खेली थी,
बरछी ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी।
वीर शिवाजी की गाथायें उसकी याद ज़बानी थी,
बुंदेले हर बोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

–सुभद्रा कुमारी चौहान

पर्यटन स्थल

पक्षियों का स्वर्ग है डूंगरपुर

प्रस्तोता–कमलेश शर्मा

प्रदेश के दक्षिण में अवस्थित डूंगरपुर ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पुरातात्विक महत्व रखने के साथ–साथ जनजातीय लोक संस्कृति का बहुआयामी दिग्दर्शन कराता है। सतरंगी आदिम संस्कृति, विमोहनी लोक परंपराएं और शिल्प वैशिष्ट्य को अपने में समाहित किए हुए डूंगरपुर जिला प्रवासी व स्थानीय पक्षियों की पसंदीदा सैरगाह व पक्षियों के स्वर्ग के रूप में भी प्रसिद्ध हो रहा है।

नैसर्गिक सुषमा से समृद्ध इस अंचल में लबालब जलाशयों के तटों व वृक्षों पर विचरण करते देशी विदेशी परिन्दें और वनाच्छादित क्षेत्रों में उन्मुक्त घूमते वन्यजीवों से इस जिले की अपनी अलग ही पहचान है और यही कारण है कि पर्यावरण एवं पक्षीजगत में रूचि रखने वाले स्थानीय शोधकर्त्ताओं के साथ विदेशी शोधकर्त्ता भी इस अंचल के प्रति आकर्षित होने लगे हैं व इस अंचल को अब इको ट्यूरिज्म मानचित्र पर स्थान मिलने लगा है।

जिला मुख्यालय डूंगरपुर सहित जिले के तीन दर्जन से अधिक विभिन्न जलाशयों में शीतकाल के आरंभ होते ही देश–विदेश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं। इस दौरान इन जलाशयों में जलक्रीड़ारत पक्षियों की चहचहाहट यहां की आबोहवा में जीवन्तता पैदा करती है।

डूंगरपुर शहर के गेपसागर व साबेला तालाब के साथ ही निकटवर्ती एडवर्ड समंद व विजयसागर जलाशय, खेड़ा कच्छवासा का रणसागर, पूंजपुर का पूंजेला तालाब, फलोज, झाकोल, बोड़ीगामा छोटा, साबला, निठाउवा, इन्दौड़ा, मेवाड़ा बांध, सागवाड़ा, गलियाकोट, सूरी आदि जलाशयों के साथ ही सोम कमला आंबा व माही–कड़ाणा बेकवाटर के जल भराव क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पक्षियों को जलक्रीडाएं करते देखा जा सकता है। पर्यावरण प्रेमियों द्वारा किये गये सर्वे के तहत जिले में कुल 60 ऐसे प्रमुख जलाशय हैं जहां पर बड़ी संख्या में पक्षियों की उपस्थिति दर्ज की गई है।

इन जलाशयों में बार हेडेड व ग्रे लेग गूज, रडी शलडक, शॉर्वलर, पिनटेल, पोचार्ड, टफटेड पोचार्ड, गेडवाल, मलार्ड, विजन, स्पॉट बिल डक, कॉम्ब डक, विसलिंग, कॉमन वै कॉटन टील, मारबल टील, कूट आदि प्रजातियों की डक्स के साथ ही ब्लेक नेक्ड स्टॉर्क, व्हाईट नेक्ड स्टॉर्क, पेन्टेड स्टॉर्क, ऑपन बिल स्टॉर्क, ब्लेक आईबीस, व्हाईट आईबीस, ग्लोसी आईबीस, परपल हेरोन, ग्रे हेरोन, कॉर्मोरेन्ट, फ्लेमिंगो, पेलिकन तथा विभिन्न प्रजातियों के ईग्रेट्स भी दिखाई देते हैं। स्थानीय पक्षियों में सारस क्रेन, मोर व अन्य प्रकार के घरेलु पक्षी अहर्निश इस अंचल को अपने कलरव से गुंजायमान रखते हैं।

शोधकर्त्ता भी आकर्षित :

वागड़ अंचल के अनूठे नैसर्गिक सौन्दर्य और जैव विविधता को देखते हुए न केवल स्थानीय बर्डवॉचर और अन्य पर्यावरण प्रेमी अपितु सात समन्दर पार से भी बड़ी संख्या में शोधकर्त्ता प्रतिवर्ष यहां की यात्रा करते है और यहां पर मौजूद पक्षियों और उनके प्रजनन स्थलों के बारे में जानकारी एकत्र करने के साथ ही जनजाति संस्कृति के साथ इन पक्षियों के तारतम्य को देखते हैं। वागड़ अंचल में सारस क्रेन के प्रजनन की बड़ी संख्या और अन्य स्टॉर्कक्स की अवस्थिति को देखते हुए जर्मनी के स्कॉलर बर्नर ब्राउन और इंग्लैण्ड की फोटो जर्नलिस्ट शेरलॉन आदि गत वर्षों से लगातार आ रहे हैं और इन पक्षियों पर सतत् शोध कर रहे हैं। विदेशी शोधकर्त्ताओं को देखकर स्थानीय बर्ड वॉचरों और अन्य पर्यावरण प्रेमी भी उत्साहित है और वे भी अपने ही क्षेत्र में आने वाले इन प्रवासी परिंदों के अध्ययन में रूचि ले रहे हैं।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में दक्षता बैज 'विश्व संरक्षण' के दो बैजों की जानकारी दी जा रही है।

"विश्व संरक्षण"

(A) विरासत HERITAGE

(B) विश्व संरक्षण WORLD CONSERVATION

विरासत
HERITAGE

- अपनी स्थानीय संस्कृति के मूल घटकों (अवयवों) को समझना चाहिए।
- अपने इस अध्ययन को सचित्र एक स्क्रेप बुक में तैयार कर प्रकट कर सकते हैं।
- अपने क्षेत्र की भौतिक पर्यावरणीय प्रमुख पहाड़ियाँ व नदियों के बारे में जाने।
- सामान्य पेड़ों व पौधों के बारे में जाने और उसके उपयोग जाने।
- स्थानीय वनस्पति और जीव–जन्तुओं के बारे में जाने।
- सर्वप्रथम अपनी सांस्कृतिक एकरूपता तथा विरासत जैसे–परिवार, रीति–रिवाज और पाम्परिक रिवाज के बारे में जानना व समझना चाहिए।
- एक कतरन पुस्तिका में वंश–वृक्ष बना कर उस पर अपने पूर्वजों के चित्रादि के अक्स तैयार किए जा सकते हैं।
- स्थानीय तीज–त्यौहारों में भाग ले और उसका विवरण तैयार करना; जिसमें फोटो और रिपोर्टिंग बनाना।
- पारम्परिक भोजन व व्यंजन
- पारम्परिक रीति–रिवाजों के बारे में जाने।
- कला और स्थापत्य कला, भजन, पूजा, वाद्य यंत्रों और पारम्परिक नृत्य कला, खाद्य परम्पराओं के बारे में जाने।

प्रायोगिक कार्य :
- स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों व म्यूजियम का अवलोकन कर पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।
- परम्परागत मांडने, मिट्टी के बर्तन बनाना इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त कर रंगोली इत्यादि बनाना सीखें।

विश्व संरक्षण
WORLD CONSERVATION

विश्व संरक्षण बैज हेतु निम्नांकित में से कोई तीन कार्य करने होंगे :–

1. किसी चिड़िया घर, वनस्पति उद्यान, प्राकृतिक ऐतिहासिक संग्रहालय का अवलोकन करें या वन्य जन्तुओं के बारे में कोई फिल्म देखें और परीक्षक को अपनी जानकारी से अवगत करायें।
2. किसी पालतू पशु का कम से कम तीन माह तक पालन कर उसकी सावधानीपूर्वक देखभाल करें।
3. एक घंटा कार्य कर किसी पब्लिक पार्क, बगीचे, विद्यालय परिसर या अन्य सार्वजनिक स्थान पर 'कूड़ा उठाओ' अभियान में सम्मिलित होकर कम से कम 3 घंटे कार्य करें परन्तु एक बार में एक ही घंटा कार्य करें।
4. सामूहिक रूप से किसी प्रकृति अध्ययन कार्य में भाग ले व अपने संग्रहों की एक संग्रहिता तैयार करें।

5. एक स्थान पर पक्षियों के लिए चुग्गा व पानी कुण्ड बनाना व कायम रखना।
6. पक्षियों के रहने के लिए घोंसला पेटी तैयार करना और बनाये रखना।
7. किसी उजाड़ भूमि पर झाड़ी या घास उगाना और 3 माह तक इसे बनाये रखना।
8. घर के पिछवाड़े या बगीचे में कम्पोस्ट खाद इक्ट्ठा कर तैयार करना।
9. भूक्षरण की हानियाँ बताकर उसको रोकने के उपाय प्रदर्शित करना।
10. घर के बाहर पर्यावरण सुधार हेतु पेड़ लगाना या हरियाली के लिए घास उगाकर उद्यान तैयार करना।

निम्नलिखित परियोजनाओं में से एक को पूरा करें –

– एक संग्रह पुस्तिका तैयार करें और चिड़ियाघर के पाँच पशुओं के बारे में उनके मौलिक देश, उनके खाने की आदतों और उनकी देखरेख व सावधानी के विषय में विस्तृत विवरण का उल्लेख करते हुए उस पुस्तिका को परीक्षक को बताए।
– अपने अन्य सदस्यों के लिए प्राकृतिक पथ अनुसरण के लिए खोज चिन्हों की व्यवस्था करना।
– किसी वन्य पशु, वृक्ष, मछली या चिड़िया के विषय में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करें और उसको रिपोर्ट के रूप में परीक्षक को बताए।

कैसे प्राप्त करें –

– बुलबुल की रूचि अनुसार विकल्प दिये गए है, इनमें से चयनित कार्य करने होते हैं।
– इस बैज को प्राप्त करने के लिए चयनित कार्य ऐसे हैं जिन्हें लम्बे समय अर्थात कम से कम तीन माह की अवधि तक कुछ परिणाम हासिल करने के लिए भी तीन माह की अवधि होगी।
– प्रकृति अवलोकन, भ्रमण व चिड़ियाघर विजिट।
– संग्रह करना (पंखों, पत्तों, फूलों, जड़ों, छालों, पत्थरों का)।
– टेलीविजन द्वारा डिस्कवरी चेनल से पशु–पक्षियों की आदतों व खान–पान की जानकारी।
– बागवानी व हरियाली से लगाव उत्पन्न करने के लिए विभिन्न कार्यों का दायित्व देकर।
– समाज में सामुदायिक कार्यों में सहयोग व समाज सेवा का आयोजन कर।
– खाद निर्माण, चुग्गा पात्र व परिण्डे इत्यादि तैयार करना।
– भूमि को तैयार (अधिक उपजाऊ बनाकर) कर खाद निर्माण, मृदा अपरदन को रोकने की विधियों को बताना व उसका उपयोग करना।

पर्यावरण संरक्षण

प्रस्तोता – गाइडर मधुबाला

पर्यावरण है धरती का आधार
जिसने संजोया अवनि को
पहनाकर अपना हीरक हार
यह अनुपम हार लिए हरित हो रही धरा
खिल उठा विकल वायुमण्डल सारा
देखकर यह अविस्मरणीय पर्यावरण

परन्तु!

आज ना है वैसा वातावरण
ना समझता कोई पर्यावरण की भाषा
बदला है अब जन का मन
रखते हैं सब धन की अभिलाषा

पर!

हम चाहते बदलना जन का मन
हम चाहते पर्यावरण संरक्षण
उस क्षण.. इस क्षण.. हर क्षण....
हम चाहते हैं यह कहना...
पर्यावरण प्रकृति का अनमोल गहना
पंचतत्व का जो करता भरण पोषण।

ऐ जन.....
पर्यावरण का करें हम अभिनन्दन
आओ! मिल संकल्प कर,
करें पर्यावरण संरक्षण...

जिला बारां

गतिविधि पञ्चांग

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
उद्योग पर्व सप्ताह	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	07 से 14.09.2023 तक
प्रेसिडेन्ट रोवर/रेंजर प्रशिक्षण शिविर	आबू पर्वत नं. 01	11 से 15.09.2023 तक
स्थानीय संघ स्तरीय रैलियां	स्थानीय संघ स्तर पर	11 से 16.09.2023 तक
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	12 से 18.09.2023 तक
स्काउटर/गाइडर एडवांस कोर्स	मण्डल स्तर पर	12 से 18.09.2023 तक
गाइडर अध्ययन शिविर	मण्डल स्तर पर	16 से 18.09.2023
विश्व ओजोन दिवस – वार्ताएं	सभी स्तर	16.09.2023 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत	21 से 25.09.2023 तक
गांधी/शास्त्री जयन्ती– प्रार्थना सभा	ग्रुप/स्थानीय संघ स्तर	02.10.2023
षष्ठर प्रशिक्षण (कब/बुलबुल) कब/बुलबुल उत्सव	जिला स्तर	02 से 04.10.2023 तक
प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर पर	04 से 06.10.2023 तक
दशहरा मेला सेवा शिविर	मण्डल कोटा	22 से 26.10.2023 तक
राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	10 से 12.10.2023 तक
राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	13 से 15.10.2023 तक
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला/मण्डल स्तर	07 से 13.10.2023 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.10.2023 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
National level Community Singing Course for Adult Leaders	01 - 07 September 2023	NHQ, New Delhi
National Level Trekking cum Environment Awareness Programme for Rovers and Rangers	06 - 12 September 2023	G.I.C. Joshimath, Chamoli, Uttarakhand

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
19th Girl Scout International Camp	02 - 06 October, 2023	Online
Diamond Countdown Three	11 - 17 October, 2023	Sangam, Pune (Maharashtra)
Autumn in the Alps 2023	22 - 28 October, 2023	Adelboden, Switzerland
Renewal Get-Together	29th Oct. - 05th Nov. 2023	Mexico
Global Friendship Week	26th Nov. - 01st Dec.2023	London, United Kingdom
51st Asia-Pacific Regional Basic Management Course for Scout Executives	20 - 30 November, 2023	Thailand

National Headquarters website : www.bsgindia.org

जगतपुरा, जयपुर स्थित स्काउट आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करने पधारे शासन सचिव, वित्त (व्यय) विभाग श्री नरेश कुमार ठकराल को गार्ड ऑफ ऑनर देते हुए विद्यार्थी एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन करते राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

बनीपार्क, जयपुर स्थित मण्डल मुख्यालय प्रशिक्षण केन्द्र पर आयोजित राज्य स्तरीय राष्ट्रपति गाइड/रेंजर अवार्ड जांच शिविर के दौरान संभागी गाइड्स/रेंजर्स, परीक्षक दल व शिविर संचालिकाएं

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य के साथ जगतपुरा, जयपुर स्थित स्काउट आवासीय विद्यालय की विज़िट के दौरान बच्चों से वार्ता तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करती हुई चौमूं की समाज–सेवी राजकुमारी रूक्ष्मणी कुमारी।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141–2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे–97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर–302004 फोन : 0141–2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :–
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर–302015
फोन : 0141–2706830, 2941098
ई–मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti